मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

आंतकी गतिविधियों में पंजाब के दो युवकों को दबोचा 3
जाम के नाम पर बदनाम करने की कोशिश बेबुनियाद 4
सर्वोदय अस्पताल ने शव देने का पैसा मांगा 5
लव जिहाद, जाति उन्माद का (यूपी) पुलिस स्टेट 6
गुड़गांव के फ़रार एसएचओ को बचाने में जुटी सरकार 8

वर्ष 34 | अंक 8 | फरीदाबाद | 3-9 जनवरी 2021 | फोन-8851091460 | 3.00 ₹

मंत्री कृष्णपाल गूर्जर ने फर्जी किसानों के साथ देखा मोदी का लाइव प्रसारण

पलवल जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके, लघु सचिवालय पर भाजपा के फर्जी किसानों का प्रदर्शन कराने पर हुई थू-थू

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूर्जर 25 दिसम्बर 2020 का दिन अपने राजनीतिक जीवन में नहीं भूल पाएंगे। फरीदाबाद और पलवल के किसानों ने एकजुट होकर उनकी इतनी बड़ी राजनीतिक फजीहत की है, जिसका अंदाजा उन्हें सपने में भी नहीं था।

क्या हुआ था मंत्री जी उस दिन

25 दिसम्बर 2020 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिन था तो वाजपेयी को स्वतंत्रता सेनानी स्थापित करने के लिए भाजपा ने उस दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन किया था। लेकिन उसमें सबसे बड़ा आयोजन था किसान सम्मान निधि का आयोजन। इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को खुश करने के लिए उनके खाते में दो-दो हजार रुपये भेजे जाने का कार्यक्रम रखा गया था। सभी सांसदों और मंत्रियों को आदेश था कि वे किसी प्रमुख जगह किसानों की बड़े पैमाने पर मौजूदगी के बीच इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

और किसानों को संबोधित करें। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर तीनों कृषि कानूनों के फायदे बताए जाएं।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूर्जर को ऐसे ही एक कार्यक्रम में पलवल में शामिल होना था। लेकिन जब पलवल में किसानों को मंत्री गूर्जर के आने की सूचना मिली तो उन्होंने खुला ऐलान कर दिया कि कृष्णपाल में दम है तो यहां आकर दिखाए। हम उसका तंबू उखाड़कर यहां से उसे भेजेंगे। यह सूचना केंद्रीय मंत्री के पास पहुंची और उन्होंने आनन-फानन में अपना पलवल का कार्यक्रम रद्द कर दिया। लेकिन मंत्री को चैन कहां था, उन्होंने इस कार्यक्रम को अपने फरीदाबाद स्थित आवास पर करने का फैसला लिया। फौरन तम्बू लगाया गया। बड़ा टीवी स्क्रीन मंगवाकर लाइव प्रसारण की व्यवस्था कराई गई। लेकिन सवाल यह उठा कि यह कार्यक्रम तो किसानों के बीच में होना था। तो उन्होंने चंद भाजपा कार्यकर्ताओं को किसान बनाकर अपने साथ बैठा लिया और लाइव प्रसारण देखने लगे। इस मौके पर उन्होंने चंद चाटुकार पत्रकारों को बुलाने और प्रेस विज्ञप्ति भी जारी करने की योजना बना ली। इस खबर के साथ लगे फोटो को गौर से देखें। मंत्री कृष्णपाल गूर्जर किसान बने चंद भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मोदी का लाइव प्रसारण देख रहे हैं।

ये चाल भी रही नाकाम

कृष्णपाल गूर्जर ने 25 दिसम्बर को एक और हरकत की। उन्होंने कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं को किसान बनाकर सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय पर तीनों कृषि कानूनों के समर्थन में प्रदर्शन करने भेजा। भाजपा के फर्जी किसान वहां पहुंचकर कृषि बिलों के समर्थन में नारेबाजी करने लगे। लेकिन लघु सचिवालय के ठीक सामने धरना दे रहे किसान संघर्ष समिति के नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह फरेब पसंद नहीं आया। वे सीधे उन फर्जी किसानों के बीच पहुंचे और तीनों कृषि कानूनों का विरोध किया और फर्जी किसान वापस जाओ के नारे बुलंद कर दिए। नारे बुलंद होते ही भाजपा के फर्जी किसान लघु सचिवालय से अपनी नकली पगड़ी संभालते भाग निकले।

फरीदाबाद की मीडिया को ऐसे किसी घटनाक्रम की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने कृष्णपाल गूर्जर के बयान का सरकारी प्रेसनोट छापकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। लेकिन 25 दिसम्बर का बड़ा दिन केंद्रीय मंत्री पर बड़ा भारी पड़ा।

पलवल के मोर्चे पर कोई पहुंचा रहा खाना, तो कोई पहुंचा रहा कंबल

किसान आंदोलन धार्मिक यज्ञ से भी बड़ा यज्ञ है: पद्म सिंह, गांव किठवाड़ी

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: किसानों का आंदोलन अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। पलवल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठे किसानों का समर्थन करने के लिए जिस तरह गांवों के आम लोग, एनजीओ वाले पलवल पहुंच कर समर्थन कर रहे हैं, खाने और कंबल से मदद कर रहे हैं, वह अप्रत्याशित है। तेवतिया पाल के बाद भुडेर पाल से जुड़े ग्रामीण सोमवार को भारी तादाद में अपने ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे। रविवार को यहां पर तेवतिया पाल के किसानों के साथ ट्रैक्टर पर सवार होकर पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल और रघुवीर सिंह तेवतिया पहुंचे थे। मजदूर मोर्चा टीम सोमवार (28 दिसम्बर) को पलवल में थी। यह टीम वहां कुछ घटनाक्रमों की खुद गवाह बनी। पलवल में बैठे ज्यादातर किसान मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों से हैं।

किठवाड़ी से आया खाना

किठवाड़ी में 28 दिसम्बर को पंचायत की तरफ से यज्ञ आयोजित किया गया था। इसमें भंडारा भी था। गांव वालों ने तय किया कि भंडारा न सिर्फ किठवाड़ी में चलेगा बल्कि पलवल में नैशनल हाईवे पर बैठे किसानों के लिए यह भंडारा भेजा जाएगा। गांव से ट्रैक्टर ट्राली पर कई क्विंटल पूड़ी, सब्जी और खीर

कम्बल लेकर पहुंचे एमवीएन के प्रिंसिपल

लेकर आए पदम सिंह ने बताया कि यज्ञ तो हमने गांव में किया लेकिन पलवल में बैठे किसान दरअसल असली यज्ञ कर रहे हैं। किसानों का आंदोलन धार्मिक यज्ञ से भी बड़ा यज्ञ है। इसलिए हमारे गांव ने किसान भाइयों के लिए यहां भी भंडारा भेजने का फैसला किया और हम लोग अपनी ट्रैक्टर ट्रालियों से भोजन लेकर यहां आ गए।

मजदूर मोर्चा से जुड़े राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि गांवों के लोग जब किसान आंदोलन को धर्म से भी बड़ा यज्ञ बताने लगें तो समझिए कि यह आंदोलन अब महज किसानों का आंदोलन नहीं रह गया है, बल्कि यह जन आंदोलन बन चुका है। दिल्ली के सभी कोनों पर बैठे किसानों के पास खुद के संसाधनों की कमी नहीं है। हर जगह रोटी बनाने, आटा गूंथने, आलू छिलने, सब्जी काटने की मशीनें लगी हुई हैं। लोग खुद वॉलंटियर बनकर सेवा कर रहे हैं। उनके पास खुद का राशन है, उन्हें बाहर से खाने की दरकार नहीं है लेकिन इसके बावजूद लोग खाना भेज रहे हैं तो वे उसे मना भी नहीं कर रहे हैं।

एमवीएन से आया कंबल

मजदूर मोर्चा टीम को उस वक्त हैरानी हुई जब उसने देखा कि एमवीएन स्कूल की गाड़ी से आए कंबल किसान स्थल पर उतारे जा रहे हैं। एमवीएन स्कूल पलवल के प्रिंसिपल संजीव जैन और मुख्य सुरक्षा अधिकारी की देखरेख में ये कंबल लाए गए थे। इस संवाददाता ने प्रिंसिपल संजीव जैन से पूछा कि ये कंबल किसने भिजवाए हैं। उन्होंने बताया कि हमारे चेयरमैन ने किसानों के लिए 250 कंबल भेजे हैं। हमारे स्कूल के संस्थापक स्व. गोपाल शर्मा खुद ग्रामीण पृष्ठभूमि से रहे हैं। पूरा परिवार किसानों के दर्द को समझता है। चूंकि ठंड बहुत बढ़ गई है तो हमारे चेयरमैन जो इस समय बेंगलुरु में थे, उन्होंने फौरन कंबल भेजने का निर्देश दिया। हम लोग किसी तरह का प्रचार नहीं चाहते हैं। यह दिल से जुड़ा मामला है। हम आगे भी यहां बैठे

शेष पेज दो पर

हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा देखना है तो अटेरना आइए

फरीदाबाद जिले के छोटे से गाँव में पंचायत ने सार्थकता साबित की

चन्द्र प्रकाश

बल्लभगढ़ : नफ़रत के इस दौर में पृथला विधानसभा का गांव अटेरना सभी समुदायों की जबरदस्त एकता की मिसाल बन गया है। यहाँ की पंचायत ने कई विकास कार्य कराये हैं जो गाँव में नज़र भी आते हैं। गाँव के सरपंच अख्तर हुसैन सभी पंचों के सहयोग से दिनरात गाँव के विकास में जुटे रहते हैं।

मौजूदा सरपंच अख्तर के कार्यकाल में आपसी झगड़े की एक भी एफआईआर नहीं

सरपंच अख्तर का परिवार लंबे समय से राजनीति में है। उनकी माता सफेदी और उनकी पत्नी वहीदन भी सरपंच रह चुकी हैं। बड़े ही शांत और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी अख्तर हुसैन ने गांव में कराए विकास कार्यों के बारे में बताया कि हमने शिक्षा को प्राथमिकता दी।स्कूल के जर्जर कमरों की जगह नए कमरे बनवाए, चारदीवारी व बच्चों के लिए खेलने के मैदान के साथ ट्रैक बनवाया। साथ ही हमने प्राइमरी स्कूल को मिडिल क्लास तक अपग्रेड करवाया।

गाँव में चार भव्य चौपाल दूर से ही नज़र आती हैं। जिनमें दो दलितों की चौपाल, एक ओबीसी और एक जनरल चौपाल है। उनमें टाइल-पत्थर लगे हैं और बिजली-पानी की सुविधा भी है। हर कमरे में पंखे और लाइट की भरपूर व्यवस्था है।

गांव की सभी गलियों को नई टाइलों द्वारा बनवाया गया है। किसी भी गली में जल-भराव और कीचड़ का नामोनिशान नहीं है।

गांव की फिरनी के साथ-साथ पानी निकासी के लिए नाला बनवाया, जिससे गांव का और बरसात का पानी बाहर जोहड़ में जाकर गिरता है।

शेष पेज चार पर